राष्ट्रीय शिक्षा नीति – 2020 पर आधृत

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

• हिन्दी साहित्य

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग,

लखनऊ विश्वविद्याय, लखनऊ।

हिन्दी तथा आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ

Proposed Structure of U.G. Hindi Sahitya (4 Year)

Year	Sem.	हिन्दी साहित्य Major1@4Credits)	Second Subject(Major2 @ 4 Credits)	(Minor 1 @ 4Credits)	@4Credits
1	Sem.1	P1: हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक) P2: भक्तिकालीन हिन्दी काव्य	P1' P2'	P1''	CC1
	Sem.2	P3: रीतिकालीन हिन्दी काव्य P4: हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि	P3' P4'	P2''	VC1
2	Sem.3	P5: हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु काल से अद्यतन) P6: आधुनिक काव्य	P5' P6'	P3''	CC2
	Sem.4	P7: हिन्दी उपन्यास साहित्य P8: हिन्दी कहानी साहित्य	P7' P8'	P4''	VC2
3	Sem.5	P9: अद्यतन हिन्दी काव्य (भाग–01) P10: अद्यतन हिन्दी काव्य (भाग–01) P11X: हिन्दी भाषा तथा काव्यांग परिचय P11Y: हिन्दी व्याकरण	P9' P10'		Internship/ TermPaper
	Sem.6	P12: हिन्दी नाट्य साहित्य P13: हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ P14X: आधुनिक अवधी काव्य P14Y: आधुनिक ब्रजभाषा काव्य	P11' P12'		Minor Project
4	Sem.7	P15: भारतीय काव्यशास्त्र P16: पाश्चात्य काव्यशास्त्र P17: हिन्दी का विमर्शमूलक साहित्य P18X: लखनऊ के हिन्दी लेखक और कथाकार P18 Y: कार्यालयी हिन्दी P19X: अनुवाद प्रविधि 19Y: रंगमंच और हिन्दी सिनेमा			Research Methodology
	Sem.8	MajorProject(24Credits)			

बी० ए० हिन्दी साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–1 हिन्दी साहित्य का इतिहास आदिकाल से रीतिकाल तक क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से हिन्दी भाषा के उद्भव की प्रारम्भिक अवस्थाओं / स्थितियों के साथ–साथ हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक स्वरुप का परिचय मिलेगा। भारतीय साहित्य की परम्पराओं से हिन्दी साहित्य को विरासत के रूप में साहित्य और संस्कृति की कौन–कौन सी प्रवृत्तियाँ प्राप्त हुई– इसका पता चलेगा। इस कालावधि में भक्ति आन्दोलन के साथ–साथ मुगलकालीन कला और संस्कृति का जो विकास हुआ, उससे जिस गंगा–जमुनी भारतीय संस्कृति का प्रादुर्भाव हुआ उसका ज्ञान विद्यार्थियों को व्यावहारिक रूप से साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से होगा।

इकाई–1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परम्परा, काल विभाजन और नामकरण, हिन्दी साहित्य का आदिकाल, नामकरण, प्रवृत्तियाँ, नाथ–सिद्ध साहित्य, रासो–काव्य परम्परा, आदिकाल के प्रतिनिधि रचनाकार और रचनाएँ।

इकाई–2. भक्तिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख निर्गुण संत कवि और उनका योगदान, प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रन्थ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।

इकाई–3. भक्तिकालीन सगुणकाव्यधारा, रामभक्तिशाखा, कृष्णभक्तिशाखा, रामभक्तिशाखा और कृष्णभक्तिशाखा के प्रमुख कवि और काव्यग्रन्थ।

इकाई–4. रीतिकाल की कालसीमा और नामकरण, लक्षण ग्रन्थों की परम्परा, रीतिकालीन काव्यधाराएँ :रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्तद्ध तथा प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और विशेषताएँ।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. डॉ. नगेन्द्र, (सं०), हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 1976
2. शुक्ल, रामचन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2019
3. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, हिन्दी साहित्य की भूमिका, हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई 1940
4. भटनागर, डॉ रामरतन, प्राचीन हिन्दी काव्य, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग 1952

प्रश्नपत्र–2 : भक्तिकालीन हिन्दी काव्य क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES— भक्ति आन्दोलन भारतीय इतिहासा की एक विशेष और अत्यन्त महत्त्वपूर्ण घटना है। इसकी व्याप्ति भारत की लगभग सभी महत्त्वपूर्ण भाषाओं के साहित्य तक है। मुनष्यता की सर्वोच्च परिकल्पनाओं और सामाजिक न्याय की केन्द्रीयता के कारण इसे भारतीय नवजागरण का एक महत्त्वपूर्ण चरण माना जात है। कबीर, सूर, तुलसी, जायसी और मीरा की रचनाओं के अध्ययन से भक्ति आन्दोलन के रूप में भारतीय नवजागरण के एक विशेष चरण से विद्यार्थी अवगत होंगे तथा मानव–मुक्ति, सामाजिक न्याय की साहित्यिक परम्परा व उसकी विरासत से उनका परिचय होगा।

इकाई–1. कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी और सूरदास के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ।

इकाई–2. तुलसीदास और मीरा के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ।

इकाई–3. कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी और सूरदास पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4. तुलसीदास और मीरा पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

निर्धारित कवि : कबीरदास, मलिक मुहम्मद जायसी, सूरदास, तुलसीदास, मीरा।
पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. द्विवेदी, हजारी प्रसाद, कबीर , हिन्दी ग्रन्थ रत्नाकर कार्यालय, मुम्बई 1946
2. पाठक, शिवसहाय, मलिक मुहम्मद जायसी और हिन्दी काव्य, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. त्रिपाठी रामनरेश, तुलसी और उनकी कविता (भाग-1), हिन्दी मंदिर, प्रयाग 1937
4. वाजपेई नन्ददुलारे, सूर संदर्भ, इण्डियन प्रेस लिमिटेड, प्रयाग

द्वितीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–3 : रीतिकालीन हिन्दी काव्य क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– 'कला–काल', 'अलंकृत काल' प्रभृति अन्य नामों से जाने जाने वाले रीतिकालीन हिन्दी साहित्य पर भारत की मध्यकालीन दरबारी संस्कृति, पुरुष सत्तात्मक सामंती और भोग वादी मूल्यों, कला वादी संस्कारों का जिन परिस्थितियों में गहरा प्रभाव पड़ा उसका समाजशास्त्रीय ज्ञान विद्यार्थियों को होगा। घनानंद प्रभृति रचनाकारों के अध्ययन से शास्त्रीयता के बरक्स स्वच्छन्दतावादी मूल्यों के विद्रोही प्रवृत्तियों का भी परिचय विद्यार्थियों को होगा। ईश्वरीय नायक–नायिकाओं के आलम्बन के बावजूद अध्यात्म निरपेक्ष मानवीय वृत्ति केन्द्रित कविता कैसे लिखी जाती है– इसका बोध विद्यार्थियों को होगा।

इकाई–1. बिहारी के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ।

इकाई–2. भूषण और घनानन्द के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ।

इकाई–3. बिहारी पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4. भूषण और घनानन्द पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

निर्धारित पाठ्यक्रम : बिहारी, भूषण, घनानन्द।
पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. डॉ. नगेन्द्र, हिन्दी साहित्य का इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. किशोरीलाल, घनानन्द : काव्य और आलोचना, साहित्य भवन, इलाहाबाद
3. भटनागर रामरटन, केशवदास : एक अध्ययन, किताब महल, इलाहाबाद 1947
4. शर्मा किरणचन्द्र, केशवदास : जीवनी, कला और कृतित्व, भारती साहित्य मंदिर, दिल्ली 1961

प्रश्नपत्र–4 : हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES-- हिंदी भाषा एवं देवनागरी लिपि के अध्ययन से छात्रों को भारत की राजभाषा हिंदी एवं उस की लिपि देवनागरी का ज्ञान प्राप्त होगा। यह प्रश्न पत्र हिंदी भाषा का तात्विक परिचय देने के साथ देवनागरी लिपि के विकास ,गुण- दोष एवं मानकीकरण का ज्ञान प्रदान करेगा। इस प्रश्न पत्र के अध्ययन से छात्रों का भाषा ज्ञान एवं लेखन शैली का परिष्कार होगा, जो छात्रों के व्यक्तित्व विकास में सहायक होगा।

इकाई–1 हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास। भाषा की परिभाषा, प्रकृति तथा विशेषताएँ। भाषा और बोली में साम्य–वैषम्य। हिन्दी के विभिन्न रूप–सर्जनात्मक भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, राज्यभाषा, संपर्क भाषा, हिन्दी का मानकीकरण।

इकाई–2 हिन्दी व्याकरण का सामान्य परिचय : वर्ण, शब्द, पद तथा वाक्य। शब्दों के भेद–तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशी। रूढ़, यौगिक और योगरूढ़ शब्द। शब्दों की व्याकरणिक कोटियाँ– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण तथा अव्यय। उपसर्ग एवं प्रत्यय। वर्तनी, लिंग, पुरुष, वचन तथ काल।

इकाई–3 ध्वनि विज्ञान : उच्चारण अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण–स्वर एवं व्यंजन ध्वनियाँ। कारक के भेद और उनकी विभक्तियाँ।

इकाई–4 देवनागरी लिपि का परिचय एवं विकास। देवनागरी लिपि का मानकीकरण, देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता , गुण और सीमाएँ तथा सुधारों का इतिहास।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. शर्मा आ. देवेन्द्र नाथ, भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दरियागंज नई दिल्ली. 1972
2. तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली. 1987
3. त्रिपाठी सत्यनारायण, हिन्दी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी. 1981
4. बाहरी हरदेव, हिन्दी भाषा, अभिव्यक्ति प्रकाशन, दिल्ली 2017

तृतीय सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–5 : हिन्दी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दु युग से अद्यतन) क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– भारतीय नवजागरण की कड़ी में हिन्दी नवजागरण के फलस्वरूप हिन्दी साहित्य में आधुनिकता के उदभव और विकास का ज्ञान इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से होगा। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के साथ तत्कालीन युगबोध से अवगत हुआ जा सकेगा। नयी–नयी आधुनिक साहित्यिक विधाओं, प्रवृत्तियों के उदभव तथा विकास का भी पता चलेगा। स्वतंत्रता पूर्व तथा स्वातंत्र्योत्तर भारत में आधुनिक जीवन मूल्यों के विकास की दशा और दिशा की रूपरेखा का परिचय मिलेगा हिन्दी साहित्य ने आधुनिक भारत के निर्माण की जो वृहद् परिकल्पनायें आजतक प्रस्तुत की हैं उसकी मूल अवधारणाओं को समझा जा सकेगा। आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास आधुनिक भारत के सामाजिक सांस्कृतिक– राजनीतिक विकास का साररूप में आकलन प्रस्तुत करता है।

इकाई–1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सास्कृतिक पृष्ठभूमि, भारतेन्दु युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ, द्विवेदी युग : विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार और रचनाएँ।

इकाई–2. छायावाद युग की प्रवृतियाँ, प्रमुख साहित्यकार और रचनाएँ, प्रगतिवाद और नई कविता की विशेषताएँ।

इकाई–3. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधाएँ– नाटक, उपन्यास, निबन्ध, कहानी का विकास।

इकाई–4. हिन्दी आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा और रिपोर्ताज का विकास।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. सिंह बच्चन, हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 1996
2. तिवारी रामचन्द्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी 1992
3. चतुर्वेदी रामस्वरूप, हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2019
4. सिंह नामवर, आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली 2011

प्रश्नपत्र–6 : **आधुनिक काव्य** क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– ब्रज और अवधी जैसी मुख्य मध्यकालीन काव्यभाषा के इतर हिन्दी खड़ी बोली कविता के उद्भव और विकास यात्रा को यह प्रश्नपत्र प्रस्तुत करता है। इसमें आधुनिक चेतना और आधुनिक जीवन मूल्यों से संवलित नई काव्य धारा से विद्यार्थियों का परिचय होगा। वे स्वतंत्रता संग्राम–जनित मूल्यों और संविधान सम्मत लोकतांत्रिक जीवन दर्शन को काव्य रचनाओं के माध्यम से समझ सकेंगे। खड़ी बोली कविता का रचना–शिल्प, भाषा–सौष्ठव और सौन्दर्य बोध पूर्ववर्ती काव्यधाराओं से भिन्न है, इसे विद्यार्थी समझ पायेंगे। हिन्दी की आधुनिक कविता मनुष्य, समाज और उसके जीवन सन्दर्भों को सर्वथा नये परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत करती है।

निर्धारित कवि : मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला', सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर', केदारनाथ अग्रवाल।

इकाई–1. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

इकाई–2. सुमित्रानन्दन पंत,महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर' तथा केदारनाथ अग्रवाल के निर्धारित काव्यांशों से व्याख्याएँ।

इकाई–3. मैथिलीशरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद तथा सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' पर आधारित आलोचनात्मक

इकाई–4. सुमित्रानन्दन पंत, महादेवी वर्मा, रामधारी सिंह 'दिनकर' तथा केदारनाथ अग्रवाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. सक्सेना, द्वारिका प्रसाद, हिन्दी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा
2. डॉ. नगेन्द्र, कामायनी के अध्ययन की समस्याएँ, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली 1962
3. शर्मा रामविलास, निराला की साहित्य साधना, भाग – 2, राजकमल प्रकाशन, संस्करण- 2, नई दिल्ली 1981
4. कुमार विमल, छायावाद का सौन्दर्यशास्त्रीय अध्ययन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 1970
5. डॉ. नगेन्द्र, सुमित्रानन्दन पंत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

चतुर्थ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–7: हिन्दी उपन्यास साहित्य क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– आधुनिक युग में महाकाव्यों का स्थान उपन्यास विधा ने ले लिया है, जिसमें मानव जीवन के वृहत स्वरूपों का चित्रण–अंकन किया जाता है। जीवन के आदर्शवादी, यथार्थवादी, मानवतावादी मूल्य इसमें अनुस्यूत होते हैं। देश, समाज, राष्ट्र का जीवन दर्शन कैसा है? और उसे किस प्रकार का होना चाहिए– इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से इन प्रश्नों के सकारात्मक उत्तर हमें प्राप्त होंगे।

इकाई–1. 'गबन' से व्याख्याएँ।

इकाई–2. 'दिव्या' से व्याख्याएँ।

इकाई–3. 'गबन' तथा प्रेमचन्द पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4. 'दिव्या' तथा यशपाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

निर्धारित पाठ्यक्रम–1.गबन ;उपन्यास: –प्रेमचन्द
2. दिव्या ;उपन्यास –यशपाल

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ

1. राय गोपाल, हिन्दी उपन्यास का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2014
2. मधुरेश, हिन्दी उपन्यास का विकास, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. तिवारी रामचन्द, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रयागराज, 2019
4. चतुर्वेदी रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रयागराज, 2018

प्रश्नपत्र–8 : **हिन्दी कहानी साहित्य** क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– कहानी साहित्य की आधुनिक और लघु विधा है पर अपने आप में यह बहुत ही सशक्त और प्रभावशाली है। इसीलिए ऐसा कहा जाता है कि 'कहानी छोटे मुंह बड़ी बात करती है'। अपने लघु रूप में कहानी मानव जीवन के दुःख, सुख, संघर्ष, आशा, निराशा, उतार, चढ़ाव, मूल्यन, अवमूल्यन की प्रक्रियाएँ, भविष्य की चिन्ताओं और उनके समाधान आदि की व्यापक दृष्टियों को समेटे रहती है। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से मानव जीवन और समाज से जुड़े उपर्युक्त सभी पक्षों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम–

दुनिया का अनमोल रतन	–	प्रेमचंद
आकाशदीप	–	जयशंकर प्रसाद
कलाकार की आत्महत्या	–	यशपाल
चीफ की दावत	–	भीष्म साहनी
तीसरी कसम, अर्थात् मारे गए गुलफाम	–	फणीश्वरनाथ 'रेणु'
राजा निरबंसिया	–	कमलेश्वर
वापसी	–	उषा प्रियम्वदा
त्रिशंकु	–	मन्नू भंडारी

इकाई–1. दुनिया का अनमोल रतन, आकाशदीप, कलाकार की आत्महत्या, चीफ की दावत कहानियों तथा उनके कहानीकारों पर आधारित प्रश्न।

इकाई–2. तीसरी कसम, अर्थात् मारे गए गुलफाम, राजा निरबंसिया, वापसी, त्रिशंकु कहानियों तथा उनके कहानीकारों पर आधारित प्रश्न।

इकाई–3. हिन्दी कहानी साहित्य स्वतंत्रतापूर्व के इतिहास–विकास पर आधारित प्रश्न।

इकाई–4. हिन्दी कहानी साहित्य स्वातंत्र्योत्तर के इतिहास–विकास पर आधारित प्रश्न।

पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ

1. राय गोपाल, हिन्दी कहानी का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2014
2. मधुरेश, हिन्दी कहानी का विकास, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली. 2014
3. तिवारी रामचन्द्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रयागराज, 2019
4. चतुर्वेदी रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रयागराज, 2018

पंचम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–9 : अद्यतन हिन्दी काव्य (भाग–1) क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की अद्यतन स्थितियों को प्रस्तुत किया गया है। स्वतंत्र भारत में एक निरन्तर वैचारिक एवं राजनैतिक उथल–पुथल देखा जाता रहा है, जिसके फलस्वरूप सामाजिक आर्थिक व व्यवस्थागत परिवर्तन हुए हैं। इस परिवर्तनों जो प्रभाव हमारे जीवन के हर क्षेत्रों पर पड़ो उसकी विभीषिका और विडम्बनाओं को अद्यतन हिन्दी कविता रेखांकित करती है। मानव मूल्यों की रक्षा और उसके लिए संघर्ष इसके केन्द्र में है। कविता के इस दौर में हिन्दी काव्य ने भाषा–शिल्प और सौन्दर्यगत जो नई उचाईयाँ उपलब्ध की हैं, उसका लेख जोखा भी इस प्रश्नपत्र में प्राप्त होगा।

इकाई–1. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' और शमशेरबहादुर सिंह के निर्धारित काव्यांशो से सम्बन्धित व्याख्याएँ।
इकाई–2. नागार्जुन और गजाननमाधव 'मुक्तिबोध' के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ।
इकाई–3. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' और शमशेरबहादुर सिंह पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई–4. नागार्जुन और गजाननमाधव 'मुक्तिबोध' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

निर्धारित कवि : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय', शमशेरबहादुर सिंह, नागार्जुन, गजाननमाधव 'मुक्तिबोध'।
पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ

1. चतुर्वेदी राम स्वरूप, अज्ञेय का रचना संसार, राधा कृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
2. तिवारी विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधा कृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
3. तिवारी विश्वनाथ, आधुनिक हिन्दी कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2010
4. नवल नन्दकिशोर, मुक्तिबोध, साहित्य अकादमी , नई दिल्ली

वेब रिफरेन्स

1. http://kavitakosh.org
2. http://www.hindisamay.com

प्रश्नपत्र–10 : अद्यतन हिन्दी काव्य ;भाग–02 क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– इस प्रश्नपत्र में मुख्य रूप से स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता की अद्यतन स्थितियों को प्रस्तुत किया गया है। स्वतंत्र भारत में एक निरन्तर वैचारिक एवं राजनैतिक उथल–पुथल देखा जाता रहा है, जिसके फलस्वरूप सामाजिक आर्थिक व व्यवस्थागत परिवर्तन हुए हैं। इस परिवर्तनों जो प्रभाव हमारे जीवन के हर क्षेत्रों पर पडो उसकी विभीषिका और विडम्बनाओं को अद्यतन हिन्दी कविता रेखांकित करती है। मानव मूल्यों की रक्षा और उसके लिए संघर्ष इसके केन्द्र में है। कविता के इस दौर में हिन्दी काव्य ने भाषा–शिल्प और सौन्दर्यगत जो नई उचाईयाँ उपलब्ध की हैं, उसका लेख जोखा भी इस प्रश्नपत्र में प्राप्त होगा।

इकाई–1. भवानीप्रसाद मिश्र और धर्मवीर भारती के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ।
इकाई–2. रघुवीर सहाय और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' के निर्धारित काव्यांशों से सम्बन्धित व्याख्याएँ।
इकाई–3. भवानीप्रसाद मिश्र और धर्मवीर भारती पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई–4. रघुवीर सहाय और सुदामा पाण्डेय 'धूमिल' पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

निर्धारित कवि : भवानीप्रसाद मिश्र, धर्मवीर भारती, रघुवीर सहाय, सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'।

पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ

1. तिवारी विश्वनाथ प्रसाद, समकालीन हिन्दी कविता, राधा कृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
2. तिवारी विश्वनाथ, आधुनिक हिन्दी कविता, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 2010
3. राय आशुतोष, नागार्जुन का गद्य साहित्य, लोकभारती प्रकाशन, 2006
4. बोधी सत्य, तार सप्तक : सिद्धान्त और कविता,राधाकृष्ण प्रकाशन 2016

प्रश्नपत्र–11X : हिन्दी भाषा तथा काव्यांग परिचय क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– इस प्रश्न पत्र में भाषा के विविध रूप और विभाषाओं के स्वरूप का परिचय दिया गया है इसी के साथ काव्य के प्रयोजन और काव्य हेतु पर विचार किया जाएगा। काव्य के अंग और रस, छद अलंकार आदि से साहित्य को समझने और विश्लेषण करने की समझ पैदा होगी।

इकाई–1. हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास, ब्रज, अवधी, बुन्देली और भोजपुरी बोलियों का परिचय, हिन्दी शब्दसमूह, देवनागरी लिपि : गुण, दोष तथा सुधार।

इकाई–2. काव्यस्वरूप, काव्यहेतु और काव्य प्रयोजन।

इकाई–3. रस तथा उसके अवयवों का सामान्य परिचय, छन्द–बरवै, सवैया, रोला, कवित्त, दोहा, चौपाई और सोरठा।

इकाई–4. अलंकार– यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, असंगति, विभावना, विशेषोक्ति, अपह्नुति, व्यतिरेक और प्रतीप।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ

1. तिवारी भोलानाथ, हिन्दी भाषा की संरचना, वाणी प्रकाशक , नई दिल्ली, 2011
2. प्रसाद, वासुदेव नन्दन, आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, भारती भवन पब्लिशर्स , धरमतल्ला 2016
3. मिश्र भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.
4. बाहरी हरदेव, हिन्दी शब्द-अर्थ-प्रयोग, अभिव्यक्ति प्रकाशन, 2017

प्रश्नपत्र–11Y : **हिन्दी व्याकरण** क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– हिन्दी व्याकरण का यह प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के ज्ञान को अर्जित करने के लिए अत्यंत उपादेय है। इसमें व्याकरण की कोटियाँ दी गयी हैं, जो कि हिन्दी भाषा के आधारभूत तत्वों को समझने के लिए आवश्यक है। प्रायः सभी प्रतियोगी परीक्षाओं में इस प्रश्नपत्र से सम्बन्धित प्रश्न पूछे जाते हैं अतः हिन्दी व्याकरण का ज्ञान छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है।

इकाई–1. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण।

इकाई–2. अव्यय, उपसर्ग, प्रत्यय, सन्धि।

इकाई–3. समास, पर्याय, विलोम, वर्तनी–शुद्धि।

इकाई–4. वाक्य–शुद्धि, वाक्यांश के लिए एक शब्द, मुहावरे, लोकोक्ति।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. बाहरी हरदेव, हिन्दी शब्द-अर्थ-प्रयोग, अभिव्यक्ति प्रकाशन, 2017
2. प्रसाद, वासुदेव नन्दन, आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, भारती भवन पब्लिशर्स , धरमतल्ला 2016
3. गुरुकामता प्रसाद, हिन्दी व्याकरण, आनन्द प्रकाशन, कोलकाता 2020
4. पाण्डेय पृथ्वीनाथ, सामान्य हिन्दी, नालन्दा प्रकाशन, बिहार 2017

षष्ठ सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–12 : हिन्दी नाट्य साहित्य क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– शास्त्रों में कहा गया है– 'काव्येषु नाटकं रम्यम्' अर्थात साहित्य की विधाओं में नाटक सबसे रमणीय और सुन्दर है। ऐसा कहने के मुख्यतः दो कारण हैं। प्रथम तो यह कि दृश्य विधा होने के कारण यह मनोरंजक, सम्प्रेषणीय और प्रभावशाली होता है। दूसरा यह कि इसमें महाकाव्यात्मक औदात्य होता है। जीवन के महत्त्वपूर्ण दार्शनिक, सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक पक्षों का इसमें व्यापकत्व के साथ चित्रण किया जाता है। अतएव इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से जीवन के सभी उदात्त मूल्यों से विद्यार्थी अवगत होंगे।

हिन्दी नाटक एवं एकांकी का इतिहास विकास, प्रमुख नाटक, एकांकी एवं रचनाकारों का परिचय तथा निर्धारित रचनाएँ।

नाटक	: ध्रुवस्वामिनी	– जयशंकर प्रसाद
एकांकी	: रेशमी टाई	– डॉ० रामकुमार वर्मा
	: स्ट्राइक	– भुवनेश्वर
	: रीढ़ की हड्डी	– जगदीशचन्द्र माथुर
	: वरुण वृक्ष का देवता	– लक्ष्मीनारायण लाल
	: पर्दे के पीछे	– उदयशंकर भट्ट

इकाई–1. 'ध्रुवस्वामिनी' तथा 'जयशंकर प्रसाद' पर आधारित प्रश्न।
इकाई–2. निर्धारित एकांकियों तथा एकांकीकारों पर आधारित प्रश्न।

इकाई–3. हिन्दी नाटक साहित्य के इतिहास–विकास पर आधारित प्रश्न।

इकाई–4. हिन्दी एकांकी साहित्य के इतिहास–विकास पर आधारित प्रश्न।

पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. रस्तोगी गिरीश, हिन्दी नाटक और रंगमंच, अभिव्यक्ति प्रकाशन, 1996
2. झा सीताराम, नाटक और रंगमंच, प्रका. बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 2000
3. मिश्र विश्वनाथ, भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धान्त, कुसुम प्रकाशन, मुजफ्फरनगर, 2003
4. महेन्द्र, डॉ. रामचरण, हिन्दी एकांकी, उद्भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली

प्रश्नपत्र–13 : हिन्दी निबन्ध तथा अन्य गद्य विधाएँ क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– महाप्राण निराला ने गद्य को 'जीवन संग्राम' की भाषा कहा है। आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने इसे आधुनिकता के तत्वों तर्क और विवेक से संपृक्त किया है। गद्य को कवियों की कसौटी और निबन्ध को गद्य लेखकों की कसौटी माना जाता है। अतएव निबन्ध व्यंग्य, संस्मरण, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी, पर्यावरणीय लेखन आदि के अध्ययन से विद्यार्थियों का एक विवेक सम्मत तार्किक जीवन दृष्टि के साथ आधुनिक जीवन की समस्याओं के समाधान का एक ठोस मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम–

मानस की धर्मभूमि : निबंध	– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
शिरीष के फूल : ललित निबंध	– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
सदाचार का ताबीज : व्यंग्य	– हरिशंकर परसाई
लिखने का दर्द : जीवनी	– विष्णु प्रभाकर
विनोबा के साथ दो दिन संस्मरण	– रामवृक्ष बेनीपुरी
रामा : रेखाचित्र	– महादेवी वर्मा
मानुष बने रहो : रिपोर्ताज	– फणीश्वरनाथ 'रेणु'
जूठन : आत्मकथांश	– ओमप्रकाश वाल्मीकि

प्रथम प्रश्न–अनिवार्य दस लघूत्तरीय प्रश्न।

इकाई–1. मानस की धर्मभूमि, शिरीष के फूल, सदाचार का ताबीज तथा लिखने का दर्द से व्याख्याएँ।
इकाई–2. विनोबा के साथ दो दिन, रामा, मानुष बने रहो तथा जूठन से व्याख्याएँ।
इकाई–3. मानस की धर्मभूमि, शिरीष के फूल, सदाचार का ताबीज तथा लिखने का दर्द एवं उनके लेखकों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई–4. विनोबा के साथ दो दिन, रामा, मानुष बने रहो तथा जूठन एवं उनके लेखकों पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।

पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।
अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. तिवारी डॉ. रामचन्द्र , हिन्दी निबन्ध और निबन्धकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007
2. सिंह बच्चन, आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
3. तिवारी डॉ. रामचन्द्र, हिन्दी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
4. चतुर्वेदी रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज2018

प्रश्नपत्र–14X : **आधुनिक अवधी काव्य** **क्रेडिट T–4 / P-x**

COURSE OUTCOMES— आधुनिक अवधी काव्य ,साहित्य के छात्रों हेतु बहुत महत्वपूर्ण और उपयोगी है।अवधी, हिंदी के मध्य क्षेत्र की बोली है। इस 'आधुनिक अवधी काव्य' प्रश्न पत्र द्वारा छात्रों को क्षेत्रीय रचनाकारों और रचनाओं का सम्यक ज्ञान तथा अवध क्षेत्र की संस्कृति, ग्राम्य - लोक जीवन' का परिचय प्राप्त होगा। आधुनिक अवधी काव्य की मुख्य प्रवृत्तियां- स्वातन्त्र्य चेतना ,प्रगतिवादी दृष्टि ,लोक चेतना एवं नवीन शिल्प विधान का परिचय देने के साथ यह प्रश्न पत्र हिंदी की प्रमुख बोली-विभाषा का ज्ञान प्रदान करने में सहायक होगा।

निर्धारित पाठ्यक्रम –

इकाई–1. आधुनिक अवधी भाषा– क्षेत्र एवं विस्तार तथा व्याकरणिक संरचना

इकाई–2. आधुनिक अवधी काव्य का इतिहास–विकास

इकाई–3. बलभद्रप्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस' और चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका'।

इकाई–4. वंशीधर शुक्ल और त्रिलोचन शास्त्री।

पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. मिश्र ब्रजकिशोर, अवध के प्रमुख कवि, लखनऊ विश्वविद्यालय , प्रकाशन, 1960
2. सक्सेना बाबूराम, अवधी का विकास, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद, 19972
3. मिश्र श्याम सुन्दर मधुक, परम्परा के परिप्रेक्ष्य में आधुनिक अवधी काव्य, आत्माराम संस दिल्ली/ अशोक मार्ग लखनऊ 1983
4. शुक्ल मत्स्येन्द्र, आधुनिक अवधी जनकाव्य : परम्परा और प्रयोग, अनिल प्रकाशन, इलाहाबाद. 1987

प्रश्नपत्र–14Y : **आधुनिक ब्रजभाषा काव्य** **क्रेडिट T–4 / P-x**

COURSE OUTCOMES— आधुनिक ब्रजभाषा के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रमुख क्षेत्र, ब्रज मंडल की संस्कृति, कृष्ण भक्ति परंपरा, ब्रज भाषा का शिल्प विधान - वस्तु गत सौंदर्य का ज्ञान प्रदान किया जाता है। आधुनिक ब्रज भाषा काव्य में ब्रज भाषा साहित्य की नवीन काव्य प्रवृत्तियों एवं कृष्ण भक्ति परंपरा का ज्ञान प्रदान करने के साथ ब्रजभाषा की माधुर्य और अभिव्यंजना शक्ति का परिचय प्राप्त होता है। यह प्रश्न पत्र हिंदी की प्रमुख विभाषा ब्रजभाषा जिसने हिंदी साहित्य के इतिहास में युगों तक अपना प्रतिनिधित्व प्रदान किया है, के नवीन रचनाकारों, रचनाओं, भाव एवं शिल्प विधान का परिचय प्रदान करता है।

निर्धारित पाठ्यक्रम –

इकाई–1. आधुनिक ब्रजभाषा– क्षेत्र एवं विस्तार तथा व्याकरणिक संरचना

इकाई–2. आधुनिक ब्रजभाषा काव्य का इतिहास–विकास

इकाई–3. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जगन्नाथदास 'रत्नाकर'।

इकाई–4. गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही', डॉ0 जगदीश गुप्त।

पाठ्य पुस्तक : नई शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्य पुस्तक।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. बाजपेई जगदीश, हिन्दी साहित्य के आधुनिक काल में ब्रज काव्य का विकास, अजन्ता प्रकाशन, 1967
2. रसाल डॉ. रमाशंकर शुक्ल एवं मिश्र पं. शुकदेव बिहारी, आधुनिक ब्रज भाषा काव्य, सरस्वती प्रकाशन मंदिर, इलाहाबाद 1968
3. सिंह कपिल देव, ब्रजभाषा और उसके साहित्य की भूमिका, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा 1960
4. वर्मा धीरेन्द्र , ब्रजभाषा , हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद 1954

सप्तम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र–15 : भारतीय काव्यशास्त्र क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES— साहित्य या कविता क्या है ? उसे कैसे परिभाषित किया जा सकता है ? साहित्य की रचना–प्रक्रिया, उसकी सम्प्रेषणीयता का विधान, साहित्य का प्रयोजन या उद्देश्य, उसमें अन्तर्निहित सौन्दर्य–बोध का स्वरूप आदि से सम्बन्धित सैद्धान्तिक और व्यावहारिक पक्षों से यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियों को परिचित करायेगा।

इकाई–1. काव्य–लक्षण, काव्य–हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य की आत्मा, रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, अलंकार सम्प्रदाय का परिचय और अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई–2. रीतिसिद्धान्त – रीति–परिचय, काव्य–गुण, रीति–वर्गीकरण। वक्रोक्ति सिद्धान्त का परिचय, वर्गीकरण, वक्रोक्ति तथा अभिव्यंजनावाद।

इकाई–3. ध्वनि सिद्धान्त– ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि–काव्य का महत्त्व, शब्दशक्तियाँ ,अभिधा, लक्षणा, व्यंजनाद्ध, औचित्य सिद्धान्त–परिचय, भेद तथा महत्त्व।

इकाई–4. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, रीतिकालीन प्रमुख आचार्य ,केशवदास, भिखारीदास.,. हिन्दी के प्रमुख आलोचक आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नन्ददुलारे वाजपेयी, हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. नवल नन्दकिशोर, हिन्दी आलोचना का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली. 1981
2. सिंह बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन , हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ 1987
3. मिश्र भगीरथ, काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 1988
4. तिवारी डॉ. रामचन्द्र , भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010

प्रश्नपत्र–16 : पाश्चात्य काव्यशास्त्र **क्रेडिट T–4 / P-x**

COURSE OUTCOMES– पश्चिमी जगत में साहित्य और कला पर विचार–विमर्श की एक सुदीर्घ और समृद्ध परम्परा रही है। साहित्य या कविता को 'जीवन की आलोचना' मानने वाली चिन्तन की परम्परा से विद्यार्थी अवगत होंगे। भाषिकी पर आधारित साहित्य के सौन्दर्य शास्त्र की महत्वपूर्ण परम्पराओं और विरासतों को जाना जा सकेगा। विभिन्न आधुनिक 'वादों' का– जिसने पूरे विश्व को प्रभावित किया– परिचय प्राप्त होगा। कुल मिलाकर इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से साहित्य के सौन्दर्य शास्त्र के साथ–साथ जीवन के आधुनिकतम दर्शन, विचारधाराओं का भी ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1 प्लेटो के काव्यसिद्धान्त, अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त, लोंजाइनस की उदात्त अवधारणा।

इकाई–2 वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा–सिद्धांत, कॉलरिज का कल्पना सिद्धांत, टी. एस. इलियट का निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण। आई. ए. रिचर्ड्स का मूल्य सिद्धान्त एवं सम्प्रेषण सिद्धान्त।

इकाई–3 शास्त्रीयतावाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद।

इकाई–4 अस्तित्ववाद, नई समीक्षा, संरचनावाद, विखण्डनवाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकतावाद।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. सिंह बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन , हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ 1987
3. तिवारी डॉ. रामचन्द्र , भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
4. मिश्र भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, विश्वविद्यालय, प्रकाशन वाराणसी 1988

प्रश्नपत्र–17 : **हिन्दी का विमर्शमूलक साहित्य** **क्रेडिट T–4 / P-x**

COURSE OUTCOMES– विमर्शमूलक या अस्मिता मूलक साहित्य ने हिन्दी साहित्य जगत में एक प्रकार से उत्तर आधुनिक स्थितियाँ उत्पन्न की है। मुख्य धारा के साथ उसको चुनौती देता हुआ हाशिए के वर्गों का साहित्य धूमकेतु की भाँति प्रकट हुआ है। दलित साहित्य, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श, प्रभृति साहित्यिक विमर्शों से, साहित्य और समाज के नए क्षितिजों का सम्यक् ज्ञान प्राप्त होगा।

इकाई–1. विमर्शमूलक साहित्य : अवधारणा, विकास एवं प्रवृत्तियाँ।

इकाई–2. दलित विमर्श : ओमप्रकाश वाल्मीकि–'जूठन' ,आत्मकथा पर आधारित व्याख्याएँ एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–3. स्त्री विमर्श : प्रभा खेतान –'छिन्नमस्ता',उपन्यास, पर आधारित व्याख्याएँ एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई–4. आदिवासी विमर्श : निर्मला पुतुल–नगाड़े की तरह बजते 'शब्द',काव्य संकलन पर आधारित व्याख्याएँ एवं आलोचनात्मक प्रश्न।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. खेतान प्रभा, उपनिवेश में स्त्री, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
2. नैमिषराय मोहनदास, भारतीय दलित आन्दोलन का इतिहास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013
3. गुप्ता रमणिका, आदिवासी कौन ? , राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. चह्वाण मोहन, आदिवासी साहित्य विमर्श, अनुज्ञा बुक्स, दिल्ली 2020

प्रश्नपत्र–18X : **लखनऊ के हिन्दी लेखक और कथाकार** **क्रेडिट T–4 / P-x**

COURSE OUTCOMES– भारत में साहित्य, कला और संस्कृति के क्षेत्र में लखनऊ क्षेत्र का प्रशंसनीय और महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इस प्रश्नपत्र में लखनऊ के उन लेखकों और कथाकारों को स्थान दिया गया है जिन्होने राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर अपनी और लखनऊ की विशेष पहचान कायम की है। इस प्रश्नपत्र के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्य के क्षेत्र में लखनऊ के अप्रतिम योगदान से अवगत होंगे।

निर्धारित पाठ्यकम

उपन्यास

अमृतलाल नागर– गदर के फूल

यशपाल– झूठा सच

(i) कामतानाथ– पिघलेगी बर्फ

(ii) श्रीलाल शुक्ल– राग दरबारी

. कहानियाँ–

- भगवतीचरण वर्मा– प्रायश्चित
- मुद्राराक्षस– दिव्यदाह
- शिवमूर्ति– कसाई बाड़ा
- अखिलेश– जलडमरूमध्य

इकाई–1– झूठा सच और, पिघलेगी बर्फ से व्याख्यात्मक से प्रश्न।
इकाई–2 झूठा सच और, पिघलेगी बर्फ से तथा इन लेखको से आलोचनात्मक प्रश्न।
इकाई–3 राग दरबारी और, निर्धारित कहानियों से व्याख्यात्मक से प्रश्न।
इकाई–4 राग दरबारी और, निर्धारित कहानियों तथा इन लेखको से आलोचनात्मक प्रश्न।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. अखिलेश (संपा), श्रीलाल शुक्ल की दुनिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
2. सहगल डॉ. मनमोहन, कथाकार यशपाल, उ. प्र. हिन्दी संस्थान, लखनऊ. 2007
3. त्रिपाठी प्रेमशंकर, हिन्दी उपन्यास और अमृतलाल नागर, श्री बड़ाबाजार कुमार सभा पुस्तकालय, 2003
4. प्रवीन योगेश, लखनऊनामा, भारत बुक सैन्टर, लखनऊ 2017

प्रश्नपत्र–18Y : कार्यालयी हिन्दी क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– कार्यालय हिंदी आज के परिदृश्य में हिंदी साहित्य की विविध विधाओं के अतिरिक्त अन्य प्रशासनिक क्षेत्रों में कार्य व्यवहार हेतु उपादेय है। सरकारी एवं गैर सरकारी कार्यालयों में हिंदी का व्यवहार किया जाना संविधान के दिशा निर्देशों के अनुरूप है। इस प्रश्न पत्र का अध्ययन करके छात्र कार्यालय पत्राचार, वाणिज्य पत्राचार आदि से परिचित होंगे, इससे उन्हें भविष्य में सरकारी गैर सरकारी कार्यालयों में हिंदी माध्यम से कार्य करने की निपुणता पूर्व से ही प्राप्त हो जाएगी।

इकाई–1 कार्यालयी हिन्दी : अभिप्राय तथा उद्देश्य, कार्यालयी हिन्दी का क्षेत्र, सामान्य हिन्दी तथा कार्यालयी हिन्दी : सम्बन्ध तथा अन्तर, कार्यालयी हिन्दी की स्थिति और संभावनाएँ।

इकाई–2 पत्र की अवधारणा, स्वरूप और महत्त्व। पत्राचार के प्रकार : सामान्य परिचय। कार्यालय से निर्गत पत्र– ज्ञापन, परिपत्र, अनुस्मारक, आदेश, पृष्ठांकन, सूचनाएँ, निविदा, प्रेस विज्ञप्ति, पावती पत्र, स्वीकृति पत्र, प्रतिवेदन। आवेदन सम्बन्धी पत्र–लेखन।

इकाई–3 व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक पत्राचार – व्यावसायिक पत्र की विशेषताएँ। व्यावसायिक एवं कार्यालयी पत्रों मे अंतर। पूछताछ सम्बन्धी पत्र, संदर्भ पत्र, शिकायती पत्र, माल के आदेश संबंधी पत्र, तकादा तथा भुगतान संबंधी पत्र। निविदा सूचनाएँ, कोटेशन, इनवाइस बिल। बैंकिंग और बीमा मे हिन्दी।

इकाई–4 टिप्पण का स्वरूप, विशेषताएँ और भाषा–शैली, संक्षेपण : अर्थ एवं विशेषताएँ, संक्षेपण विधि, संक्षेपण की उपयोगिता तथा भाषा शैली। विस्तारण : स्वरूप, अर्थ तथा परिभाषा, विस्तारण के तत्त्व और प्रक्रिया, विस्तारण का महत्त्व एवं उपयोगिता।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. शर्मा, चन्द्रपाल, कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति, समता प्रकाशन, दिल्ली 1991
2. गोदरे, डॉ. विनोद, प्रयोजनमूलक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली 2009
3. झाल्टे दंगल, प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016 पंचम संस्करण
4. भाटिया कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रक्रिया और स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली 2005

प्रश्नपत्र–19X : अनुवाद प्रविधि क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– साहित्य के अध्ययन के साथ-साथ अंतर-अनुशासनिक अध्ययन को समझने में अनुवाद की महती भूमिका है। एक विषय से दूसरे विषय में ज्ञान का विनिमय अनुवाद से ही सुगम हो सकता है। अनूदित साहित्य का अध्ययन करके छात्र अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं। इस प्रश्न पत्र के माध्यम से हिंदी अधिकारी,और राजभाषा अधिकारी जैसे पदों पर नियुक्ति हेतु सहायता प्राप्त होगी। इस प्रकार रोजगार की दृष्टि से भी इसका अध्ययन उपादेय है।

इकाई–1. अनुवाद : अर्थ, स्वरूप एवं महत्त्व– अच्छे अनुवाद के गुण, अनुवाद सम्बन्धी समस्याएँ और समाधान, अनुवाद की आवश्यकता, महत्त्व या उद्देश्य, प्रयोजनमूलक हिन्दी और अनुवाद।

इकाई–2. अनुवाद के प्रकार–काव्यानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, नाट्यानुवाद, कथानुवाद, आशु अनुवाद, रूपांतरण।

इकाई–3. अनुवाद के सिद्धान्त – मैथ्यु आर्नाल्ड के सिद्धान्त, टाइलर का सिद्धान्त, भोलानाथ तिवारी का सिद्धान्त।

इकाई–4. अनुवाद – प्रक्रिया, समस्याएँ तथा दुभाषिया प्रविधि।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएँ, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली 2012
3. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा 1997
4. टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली. 2005

प्रश्नपत्र–19Y **रंगमंच और हिंदी सिनेमा** क्रेडिट T–4 / P-x

COURSE OUTCOMES– इस पाठ्यक्रम द्वारा रंगमंच के सैद्धांतिक एवं तकनीकी पक्षों की जानकारी होगी। हिंदी सिनेमा निर्माण से जुड़े तत्वों- निर्देशन ,पटकथा, शूटिंग आदि का प्रारंभिक ज्ञान देने के लिए यह पाठ्यक्रम विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करेगा तथा रोजगार की दिशा में सकारात्मक योगदान प्रदान करेगा।

इकाई–1 भारतीय रंगमंच का संक्षिप्त इतिहास, रंगमंच का अर्थ, तत्व एवं रंगमंच के प्रकार (भारतीय एवं पाश्चात्य), लोकमंच का स्वरूप, पारंपरिक लोकमंच रूप– रामलीला, रासलीला, नौटंकी, स्वांग। दर्शक की विशेषताएं।

इकाई–2 अभिनय की परिभाषा, भारत की प्राचीन अभिनय पद्धति, भरत निर्दिष्ट अभिनय के प्रकार, पाश्चात्य रंगचिंतक स्टैनिस्लावस्की यथार्थवादी अभिनय पद्धति ।

रंगदीपन : प्रमुख उपकरण – फ़ुल लाइट, फ्लड लाइट, बैटन्स, स्पॉटलाइट इफैक्ट्स प्रोजेक्टर, डिमर (दीप्ति नियामक) ध्वनि संकेत, दृश्य सज्जा का संक्षिप्त परिचय ।

भारतीय नाट्य कृतियों 'ध्रुवस्वामिनी' और 'आधे–अधूरे' की मंचीय समीक्षा ।

इकाई–3 फिल्म निर्देशन : संक्षिप्त परिचय

सिनेमा के मूल माध्यम फिल्म निर्देशक का महत्व, फिल्म निर्देशक बनने के लिए आवश्यक गुण : कल्पना शक्ति, रचनात्मक प्रतिभा, अभिव्यक्ति, दृढ़ निश्चय ।

सिनेमा के प्रमुख प्रकार : वृत्तचित्र, विज्ञापन फिल्में, प्रयोगात्मक चित्र एवं कथा चित्र, शैक्षणिक फिल्में, कार्टून (एनिमेशन) फिल्में ।

प्रकाश व्यवस्था (एक्सपोजर), रिफ्लेक्टर ।

ध्वनि अंकन (संवाद, ध्वनि प्रभाव, संगीत), सिंगल एवं डबल सिस्टम रिकॉर्डिंग ।

इकाई–4 पटकथा का स्वरूप, पटकथा में समय संयोजन की प्रक्रिया : समयांतर (टाइम लैप्स– Time Laps) ।

शूटिंग का संक्षिप्त परिचय, शॉट्स के प्रकार : 1. एक्सट्रीम लॉंग शॉट 2. लॉंग शॉट 3. मिड लॉंग शॉट 4. मिड शॉट 5.क्लोजअप ।

वाह्य तथा आंतर (आउटडोर और इन्डोर शूटिंग) ।

फिल्म और रंगमंचीय अभिनय में अंतर ।

दादा साहब फाल्के और भारत की प्रथम मौलिक फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' का संक्षिप्त परिचय । 'आर. के. फिल्म्स' (आर.के. स्टूडियो) का संक्षिप्त परिचय ।

अध्ययन हेतु प्रस्तावित ग्रन्थ -

1. 'नाटक और रंगमंच' ले. डॉ. सीताराम झा, प्रकाशक–बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।
2. 'भारतीय और पाश्चात्य नाटक सिद्धांत' ले. डॉ. विश्वनाथ मिश्र, प्रका. कुसुम प्रकाशन, मुजफ्फरनगर ।
3. 'विश्व सिनेमा का सौंदर्य बोध' ले. प्रभुनाथ सिंह आजमी, प्रका. भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
4. 'फिल्म निर्देशक' ले. कुलदीप सिन्हा, प्रका. राधाकृष्ण, नई दिल्ली ।

अष्टम् सेमेस्टर

मेजर प्रोजेक्ट क्रेडिट - 24